पाठ 1

# आप एक नया जीवन प्रारम्भ कर चुके हैं

इस पाठ में आप अध्ययन करेंगे

क्या हुआ?

मसीह में नया जीवन

किस प्रकार का जीवन?

आपको इसके विषय में क्या करना है?

आप का नया परिवार : आप का पिता

आप का नया परिवार : आपका बड़ा भाई

आपका नया परिवार : पवित्र आत्मा आप का सहायक

आपका नया परिवार : दूसरे मसीही

## क्या हुआ?

जिस क्षण आपने यीशु मसीह को उध्दारकर्ता के रूप में स्वीकार किया उसी समय आपने एक नया जीवन प्रारम्भ कर दिया वह जीवन दायक है जो कि अनोखा, परिपूर्ण और आनन्दपूर्ण जीवन है जिसका अन्त कभी नहीं होता। आपने अपना जीवन उसके सभी पापों और असफलताओं से भरा हुआ जो था यीशु मसीह को दिया, और उसने आपको अपना पाप पर विजयी जीवन दिया। आप एक ऐसे जीवन का प्रारम्भ कर चुके हैं जो कि परमेश्वर की सन्तान के रूप में महिमापूर्ण सुअवसरों से परिपूर्ण है।

### आप का काम

प्रश्न का ठीक उत्तर चुनिये और उसके आगे √ का चिन्ह लगाइये।

1. आप का नया जीवन कहां से आता है?

............अ) एक मसीही होने का प्रयत्न करने से
............ब) यीशु मसीह जीवन दायक से
............स) चर्च में सदस्य होने से

आपका काम खण्ड के उत्तरों को उस समय तक ढांपे रखिये जब तक कि आप अपने उत्तरों को लिखें।

उत्तर : 1. ब) यीशु मसीह जीवन दायक से।

## मसीह में नया जीवन

आप के पास यह नया जीवन है क्योंकि यीशु आप में रहता है। परमेश्वर का वचन, बाईबल, इसके विषय में आपको बतलाती है।

: मसीह आप में है, इसका तात्पर्य है आप परमेश्वर की महिमा के भागीदार होंगे। **कुलुस्सियों 1:27**

प्रत्येक पद के अन्त में सन्दर्भ आपको बतलाता है इसे आप बाईबल से कहां पा सकते हैं।

### आप का काम

ठीक उत्तर के सामने √ का चिन्ह लगाइये।

2. आप उस जीवन के बारे में कहां सीखते हैं जो मसीह से आकर आप में जीता है?

............अ) बाईबल, परमेश्वर के वचन से
............ब) विज्ञान से
............स) भिन्न-भिन्न धर्मों से

उत्तर : 2 अ) बाईबल, परमेश्वर के वचन से।

## किस प्रकार का जीवन

मसीह आप में वास करता है इससे आप एक मसीही बनते हैं।

कुछ लोग सोचते हैं कि एक मसीही जीवन एक मूढ़ कैद में पड़े हुए अस्तित्व रखना जैसा है। इससे और बड़ी भूल उनकी नहीं हो सकती। आपका मसीह में नया जीवन परिपूर्ण, भरपूर एवं और अधिक खुशी से भरा हुआ होगा जो कि आपने स्वप्न में भी सोचा नहीं होगा।

**आप का काम**

ठीक उत्तर के सामने √ का चिन्ह लगाइये।

3. यीशु को उध्दारकर्त्ता के रूप में स्वीकार करके आपने एक ऐसे जीवन का प्रारम्भ किया है जो कि है

............अ) उदास।

............ब) आपके पहिले जीवन से कहीं बढ़कर खुशी से भरपूर है।

............स) कैद में पड़े हुए जैसा।

उत्तर : 3. ब) आपके पहिले जीवन से कहीं बढ़कर खुशी से भरपूर है।

मैं इसलिए आया कि वे जीवन पाएं, और बहुतायत से पाएं।

**यूहन्ना 10:10**

## आप का काम

4. यूहन्ना 10:10 यीशु के शब्दों को याद कीजिये। ठीक उत्तर के सामने √ चिन्ह लगाइये।

5. यीशु मसीह आपको देने के लिए आया

............अ) आपके पापों का दण्ड।

............ब) जीवन ..... इसकी भरपूरी के साथ।

उत्तर : 5. ब) जीवन ..... इसकी भरपूरी के साथ।

इस नये जीवन में जो यीशु देता है, आप नई समझ एक नया दृष्टिकोण, नये लक्ष्य और जीवन के लिए एक नया उद्देश्य पायेंगे।

अपराध का बोझ चला गया, आपके पाप क्षमा हो गए हैं। परमेश्वर के लिए और दूसरों के लिए नये प्रेम से आप का हृदय भर जाता है, जिससे आपके मन में शान्ति और आनन्द आता है। आप वह सब जो कि अच्छा और सुन्दर है उसका नया मूल्यांकन रखते हैं, और परमेश्वर की उपस्थिति का, उसकी शक्ति और भलाई का नया आभास रखते हैं। आपकी प्रत्येक क्रिया में एक नई दिशा पाई जाती है जिनका प्रारम्भ आपके अन्दर पाई जाने वाली परमेश्वर को प्रसन्न और दूसरों को सहायता करने की भावनाओं से हुआ है।

वह कीड़ा जो तितली बन जाता है उस परिवर्तन से बढ़ कर अनुभव नहीं करता जो पवित्र आत्मा ने आपके अन्दर पैदा किया है। आप उस कीड़े की तरह नहीं रहे, जो कि अपने आपको जीवन में घसीट रहे हो; मसीह ने आपको नये व्यक्ति के रूप में परिवर्तित कर दिया है और आपकी आत्मा को पंख लगा दिया है। आप फिर से जन्म ले चुके हैं और अब एक पापी नहीं रहे; अब आप परमेश्वर की एक सन्तान हैं।

**आप का काम**

ठीक उत्तर के सामने √ का चिन्ह लगाइये।

6. आप अपने नये जीवन में इनमें से कौन सी एक बात को चाहेंगे?

............अ) नया दृष्टिकोण
............ब) और अधिक पैसा
............स) आपके मित्रों के बीच में और अधिक प्रसिद्धि

7. जब आप फिर से जन्म लेते हैं आप जीवन प्रारम्भ करते हैं।

............अ) समस्याओं से रहित
............ब) परमेश्वर और दूसरों के प्रति प्रेम से पूर्ण
............स) जो कुछ भी आप करना चाहें उसके करने में स्वतंत्रता।

उत्तर : 6. अ) नया दृष्टिकोण 7. ब) परमेश्वर और दूसरों के प्रति प्रेम से पूर्ण

## आपको इसके विषय में क्या करना है?

परमेश्वर के परिवार में एक नये जन्म हुए बच्चे के नाते आप उसके प्रेमपूर्ण पालन पोषण से सुख प्राप्त करेंगे। आपको परमेश्वर वह प्रबन्ध अवश्य ही स्वीकार करना है जो उसने आपको तन्दुरुस्त और सुदृढ़ बनाने के लिए किया है। उसने आपको नया स्वभाव दिया है, और अब आपको उसका विकास करने में अपना कर्तव्य पूरा करना है।

यह पुस्तक आपके नये स्वभाव के विकास में सहायक होगी। इन पाठों का अध्ययन करते हुए आप उन नये विशेष अधिकारों और जिम्मेदारियों के विषय में सीखेंगे जो कि आप को परमेश्वर की सन्तान बनने पर मिली है। अपने इस पृथ्वी पर के जीवन के समय भरपूरी के साथ इनका आनन्द लें। तब यीशु एक दिन आपको अपने स्वर्गीय घर में अपने साथ रहने के लिए ले जाएगा, एक ऐसे घर में जो कि इस संसार की किसी भी वस्तु से हज़ार गुणा बेहतर होगा।

**आप का काम**

ठीक उत्तर के सामने √ का चिन्ह लगाइये।

8. यह पुस्तक किस विषय में है?

............अ) चर्च सदस्य के रुप में आपका जीवन
............ब) नया स्वभाव परमेश्वर ने जो आपको दिया है
............स) वे नियम जिनका पालन एक मसीही को अवश्य करना चाहिये

9. इन पाठों का आप अध्ययन करें ताकि आप

............अ) एक प्रमाण पत्र प्राप्त कर सकें।

..........,.ब) धर्म पर वाद-विवाद कर सकें।

............स) आप उन सब विशेष अधिकारों का आनन्द ले सकें जो आपको परमेश्वर की सन्तान बनने पर मिले हैं।

उत्तर : 8. ब) नया स्वभाव परमेश्वर ने जो आपको दिया है 9. स) आप उन सब विशेष अधिकारों कारों का आनन्द ले सकें जो आपको परमेश्वर की सन्तान बनने पर मिले हैं।

मुख्य बात यह है कि आप मसीह के साथ एक बने रहें और उस जीवन में जो वह आपको देता है उसमें बढ़ें और सुदृढ़ हों।

> तुम मुझमें बने रहो, और तुम में जैसी डाली ........क्योंकि मुझसे अलग होकर तुम कुछ भी नहीं कर सकते। **यूहन्ना 15:4,5**

सो जैसे तुमने मसीह यीशु को प्रभु करके ग्रहण कर लिया है वैसे ही उसी में चलते रहो। और उसी में जड़ पकड़ते और बढ़ते जाओ; और जैसे तुम सिखाए गए वैसे ही विश्वास में दृढ़ होते जाओ, और अत्यन्त धन्यवाद करते रहो। **कुलुस्सियों 2:6. 7**

### आप का काम

ठीक उत्तर के सामने √ का चिन्ह लगाइये।

10. आपको एक सुदृढ़ मसीही होने के लिए कौन सी एक मुख्य बात अवश्य करनी है?

............अ) मसीह में एक साथ बने रहें।

............ब) यीशु के समान बनने का यत्न करें।

............स) दूसरे मसीहियों की तरह व्यवहार करें।

उत्तर : 10. अ) मसीह में एक साथ बने रहें।

## आपका नया परिवार : आपका पिता

सर्व शक्तिमान परमेश्वर, सृष्टिकर्ता अब आपका प्रेमी पिता है। आप उसको बहुत दूर रहने वाला परमेश्वर न सोचें। वह इसी समय आपके बिल्कुल पास है। आपकी प्रत्येक समस्या में सहायता करने को उत्सुक है।

अब आप परमेश्वर की सन्तान हैं, आपका पिता यह चाहता है कि आप उसके साथ खुलकर बात करें, जैसे कि एक बच्चा अपने दयालु और समझदार पिता से बात करता है। दिन अथवा रात के किसी भी समय उसके साथ प्रार्थना में बात करें। उसे अपनी सभी समस्यायें बतायें। उसकी आशीषों के लिए उसको धन्यवाद दें। वह आपमें तथा प्रत्येक उस बात में जो आप पर प्रभाव डालती है में रुचि रखता है।

आपको सुन्दर शब्दों का प्रयोग या प्रार्थनाओं को स्मरण नहीं करना है; जो कुछ भी आप के हृदय है उसे स्पष्ट बता दीजिए।

**आप का काम**

ठीक उत्तर के सामने √ का चिन्ह लगाइये।

11. इस नए जीवन में परमेश्वर आप का है

............अ) एक दूर रहने वाला जन।

............ब) एक प्रेमी पिता।

12. जब आप प्रार्थना करते हैं तो आपको क्या करना चाहिए ?

............अ) प्रार्थनाओं को स्मरण करें और उनको दोहरायें।

............ब) परमेश्वर के साथ खुलकर बात करें जैसे कि एक पुत्र पिता के साथ करता है।

............स) बड़े शब्दों का और अच्छा व्याख्यान देने वाला प्रभाव का प्रयोग करें।

उत्तर : 11. ब) एक प्रेमी पिता।

12. ब) परमेश्वर के साथ खुलकर बात करें जैसे कि एक पुत्र पिता के साथ करता है।

## आपका नया परिवार : आपका बड़ा भाई

यीशु मसीह परमेश्वर के परिवार में आपका बड़ा भाई है। वह आप से इतना प्रेम करता है कि उसने अपनी जान आपको बचाने के लिए दे दी। अब वह आपकी सहायता करना चाहता है कि आप पाप पर विजयी हो आनन्दपूर्ण जीवन जी सकें।

अब आपका धन्यवाद दें कि उसने आपको बचाया और उस सहायता के लिए जो वह प्रत्येक दिन आपकी करेगा।

### आप का काम

ठीक उत्तर के सामने √ का चिन्ह लगाइये।

13. इस नये जीवन में यीशु मसीह आपका है

............अ) उद्धारकर्ता और बड़ा भाई।

............ब) कठोर न्यायाधीश।

उत्तर : 13. अ) उद्धारकर्ता और बड़ा भाई।

## आपका नया परिवार : पवित्र आत्मा, आपका सहायक

पवित्र आत्मा, त्रिएकता का तीसरा व्यक्ति, उसी ने आप के अन्दर नया जन्म का यह रहस्यमय आश्चर्यकर्म किया है। उसने आपका पापी स्वभाव बदल कर आपको परमेश्वर की सन्तान बनाया।

आपको अब भी समय-समय पर पुराने स्वभाव से लड़ना होगा, परन्तु पवित्र आत्मा आपके हृदय में रहने और आपकी सहायता करने के लिए आया है। ज्यों ही आप उसके साथ विश्वास और आज्ञाकारी

में सहयोग करेंगे, वह आपको सिखलाएगा कि क्या करें और वैसा करने की सामर्थ भी देगा।

## आप का काम

ठीक उत्तर के सामने √ का चिन्ह लगाइये।

14. नया जन्म का आश्चर्यकर्म आप में के द्वारा किया गया है।

............अ) प्रचारक।
............ब) पास्तर।
............स) पवित्र आत्मा।

15 आपके पास पवित्र आत्मा दिया गया है कि वह

............अ) जबभी आप कोई गलती करें दण्ड दे सकें।
............ब) आपके हृदय में रहे और आपकी सहायता करे ठीक काम करने में।

16. जो परमेश्वर चाहता है आप वही करेंगे

............अ) अपने आप
............ब) क्योंकि पवित्र आत्मा ऐसा करने के लिए आप पर दवाब डालेंगे।
............स) ज्यों ही आप पवित्र आत्मा के साथ विश्वास और आज्ञाकारी में सहयोग करेंगे।

17. आप समझ जायेंगे कि आपको क्या करना होगा और कर सकने के योग्य भी होंगे।
............अ) आपनी ही बुद्धि के द्वारा।
............ब) अपनी मानसिक शक्ति के द्वारा।
............स) पवित्र आत्मा की सामर्थ के द्वारा।

उत्तर : 14. स) पवित्र आत्मा।
15. ब) आपके हृदय में रहे और आपकी सहायता करे ठीक काम करने में। 16. स) ज्यों ही आप पवित्र आत्मा के साथ विश्वास और आज्ञाकारी में सहयोग करेंगे। 17. स) पवित्र आत्मा की सामर्थ से।

## आप का नया परिवार : दूसरे मसीही

प्रत्येक सच्चा मसीही जिसका नया जन्म हो चुका है, परमेश्वर की सन्तान है। जब परमेश्वर हमारा पिता है, तो हम सब मसीह में भाई और बहनें हैं।

सब बड़े मसीही आप को परमेश्वर के घर में भाई और बहन करके आप का स्वागत करते हैं। वे हर सम्भव आपकी सहायता करना चाहते हैं ताकि आप आध्यात्मिक रूप से बढ़ें और सुदृढ़ तन्दुरुस्त मसीही बनें।

जब आप को कोई समस्या हो तो उसे पास्तर तैथा चर्च (मंडली) में अपने दूसरे भाइयों और बहनों से बता दीजिए। वे आपके साथ प्रार्थना करेंगे और आप की सहायता के निमित हर सम्भव प्रयत्न करेंगे।

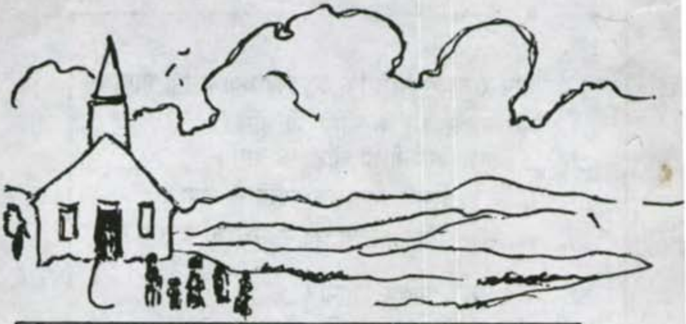

## आप का काम

ठीक उत्तर के सामने √ का चिन्ह लगाइये।

18. सभी सच्चे मसीही जिनका नया जन्म हो चुका है वे हैं

............अ) मसीह में भाई और बहनें।
............ब) एक ही संस्था के सदस्य।
.........,..स) अच्छे मित्र।

उत्तर : 18. अ) मसीह में भाई और बहनें।